अतार्किक हैं।

5. स्त्रियों और पुरूषों के स्वभाव में अंतर

प्लेटो यह तो ठीक कहता है कि स्त्रियों को भी शिक्षा दी जानी चाहिए, परन्तु वह स्त्रियों व पुरूषों के मूल शारीरिक और मानसिक अंतर की उपेक्षा करता हैं। कुछ कार्य ऐसे हैं जो स्त्रियाँ नहीं कर सकतीं, और कुछ ऐसे कार्य हैं जिन्हें वे ही अच्छी तरह से कर सकती हैं। प्लेटो इस अंतर की उपेक्षा करता हैं इसलिए उसकी शिक्षा दोषपूर्ण हैं।

6. नियन्त्रित शिक्षा

प्लेटो की शिक्षा राज्य द्वारा नियंत्रित शिक्षा हैं। सभी व्यक्तियों के लिए नियन्त्रित और निर्देशित शिक्षा- ऐसी शिक्षा में स्वतंत्र चिंतन संभव नहीं हैं और दर्शन की दुनिया में सत्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक हैं, शिक्षा स्वतंत्र हो, एक रस न हो।

प्लेटो की शिक्षा योजना का मूल्यांकन
उपरोक्त आलोचनाओं के बाद भी हम देखते है कि प्लेटो के शिक्षा सिद्धांत के महत्व का पलड़ा भारी हैं। प्लेटो का आदर्श राज्य मुख्य रूप से एक विश्व विद्यालय हैं। एक प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ का कथन है कि आधुनिक आलोचक को इस बात पर अवश्य आपत्ति होनी चाहिए कि प्लेटो ने शिक्षा के इस महत्व को एक और तो बड़े विस्तार से उल्लिखित किया हैं और दूसरी ओर वह अन्य सामाजिक अध्ययन के विषयों की ओर विशेष रूप से उदासीन हैं, तथापि यह तो मानना ही पड़ेगा कि उसने राज्य को ही सर्वोच्च शिक्षा संस्था माना हैं। इसके महत्व को स्वीकारते हुए किसी विद्वान ने कहा भी हैं कि," प्लेटो की रिपब्लिक व्यापक रूप से एक विश्वविद्यालय, एक चर्च और एक परिवार हैं।"

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि 'प्लेटो की शिक्षा पद्धित निन्दनीय कम तथा प्रशंसनीय अधिक हैं।' प्लेटो की दार्शनिक शासक की शिक्षा पद्धित वर्तमान युग के अनुकूल नही हैं।'

'सेबाइन' ने लिखा है कि दार्शनिकों का शासन सरलता से सन्तों के शासन में बदल जायेगा। सम्भवत: प्लेटो के आदर्श राज्य की समता सबसे उत्तम रूप में मठों की व्यवस्था से की जा सकती हैं।' अनेक आलोचक राजनीतिज्ञो ने प्लेटो की शिक्षा प्रणाली का एक अन्य विधि से भी मूल्यांकन किया हैं। कुछ राजनीतिज्ञों का विचार है कि प्लेटो कि शिक्षा प्रणाली कुलीन तंत्र की पोषक हैं, परन्तु 'इबस्टीन' के शब्दों में प्लेटो की शिक्षा प्रणाली का उचित मूल्यांकन किया गया हैं, वे लिखते हैं कि यद्यपि लोकतंत्र की धारणा हमेशा ही प्लेटो द्वारा प्रतिपादित कुलीन वर्गीय राजनीतिक शासकों की प्रशिक्षण योजना का विरोध करती रहेगी फिर भी वह

सार्वजनिक सेवा के कर्मचारियों के समुचित प्रशिक्षण की सम्भावना तथा वांछनीयता के प्रति अधिक सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण रखेगी।' प्रो. जोवेट भी प्लेटो के शिक्षा सिद्धांत के प्रमुख आलोचक रहे।

अंत में कह सकते हैं कि प्लेटो की शिक्षा योजना आधुनिक शिक्षा-शास्त्रियों का पाठ्यक्रम निर्धारित करने के लिए मार्गदर्शन करती हैं, तथा निकट भविष्य में भी करती रहेगी।